मूल्यांकन की प्रविधियाँ
(TECHNIQUES OF EVALUATION)

मूल्यांकन प्रविधि का अभिप्राय उसी रीति से है, जिसके द्वारा हम बालक के ज्ञान और व्यवहार में हुए परिवर्तनों तथा उसकी व्यक्तिगत विशेषताओं का मूल्यांकन करते हैं। **श्री बी. एस. ब्लूम** (B. S. Bloom) का मत है—"अच्छी मूल्यांकन प्रविधि या साधन या रीति वह है जिसमें व्यवहार के वांछित परिवर्तन के वैध प्रमाणों को प्राप्त करने की क्षमता है।"

हम समस्त व्यवहार परिवर्तनों को किसी एक प्रविधि द्वारा नहीं जाँच सकते हैं, वरन् विभिन्न व्यवहार परिवर्तनों को जाँचने के लिए विभिन्न प्रविधियों का प्रयोग करते हैं। अतः मूल्यांकन में विभिन्न प्रविधियों का समावेश है। इसकी पुष्टि **राइटस्टोन** के इस कथन से हो जाती है, "आधुनिक मूल्यांकन में जाँच की विविध प्रविधियों, जैसे—उपलब्धि, अभिवृत्ति, व्यक्तित्व, चरित्र-सम्बन्धी परीक्षण, क्रम-निर्धारण मान, प्रश्नावली, प्रतिफलों के निर्णय मान, साक्षात्कार, नियन्त्रित-परीक्षण प्रविधियाँ, समाजमितिक प्रविधियाँ तथा घटनावृत्तों का प्रयोग होता है।"[1]

इसमें से मुख्य प्रविधियों का विवेचन नीचे दिया जा रहा है—

(1) निरीक्षण प्रविधि—इसके द्वारा छात्रों के व्यवहार, क्रियाओं, संवेगात्मक एवं बौद्धिक परिपक्वता के सम्बन्ध में प्रमाण प्रदान किये जाते हैं।

(2) साक्षात्कार—इसके द्वारा रुचियों के विकास, दृष्टिकोण में हुए परिवर्तनों तथा विभिन्न व्यक्तिगत विशेषताओं की जाँच की जाती है।

(3) प्रश्नावली—छात्रों से उनकी स्वयं की रुचियों एवं अभिवृत्तियों के विकास से सम्बन्धित सूचनाएँ प्राप्त करने के लिए यह प्रविधि बहुत सरल एवं उपयोगी है।

(4) क्रम-निर्धारण मान—इस प्रविधि का प्रयोग उन विभिन्न परिस्थितियों या विशेषताओं का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है, जो विभिन्न मात्राओं में प्रस्तुत की जा सकती हैं। इनके द्वारा हम बालक की किसी विशेष क्षेत्र की कुशलताओं की जाँच, उस क्षेत्र में उसके व्यवहार की प्रगति को देखकर भी कर सकते हैं।

(5) छात्रों द्वारा निर्मित वस्तुएँ—छात्रों द्वारा निर्मित वस्तुएँ (Pupils' products) भी उनके व्यवहार एवं रुचि सम्बन्धी सूचनाएँ प्राप्त करने के लिए महत्त्वपूर्ण साधन प्रदान करती हैं।

(6) पड़ताल-सूची—पड़ताल-सूची (Check-list) प्रश्नावली की भाँति व्यक्तिगत सूचना एवं मत जानने का प्रमुख साधन है।

(7) अभिलेख—छात्रों की डायरियाँ, शिक्षकों द्वारा तैयार किये गये घटनावृत्त (Anecdotal records) तथा संचित अभिलेख-पत्र भी मूल्यांकन की महत्त्वपूर्ण प्रविधियाँ हैं।

(8) परीक्षा प्रविधि—इस प्रविधि के अन्तर्गत मौखिक परीक्षण, प्रायोगिक परीक्षाएँ तथा लिखित परीक्षाएँ आती हैं।

इसमें प्रयुक्त की जाने वाली प्रविधियों को अग्रांकित रेखाचित्र द्वारा प्रदर्शित किया जा रहा है—

---

1. "Modern evaluation uses a variety of techniques of appraisal such as achievement, attitudes, personality, character tests, rating scales, questionnaires, judgement scales of products, interviews, controlled observation techniques, sociometric techniques and anecdotal records."
—J. W. Wrightstone

Scanned with CamScanner

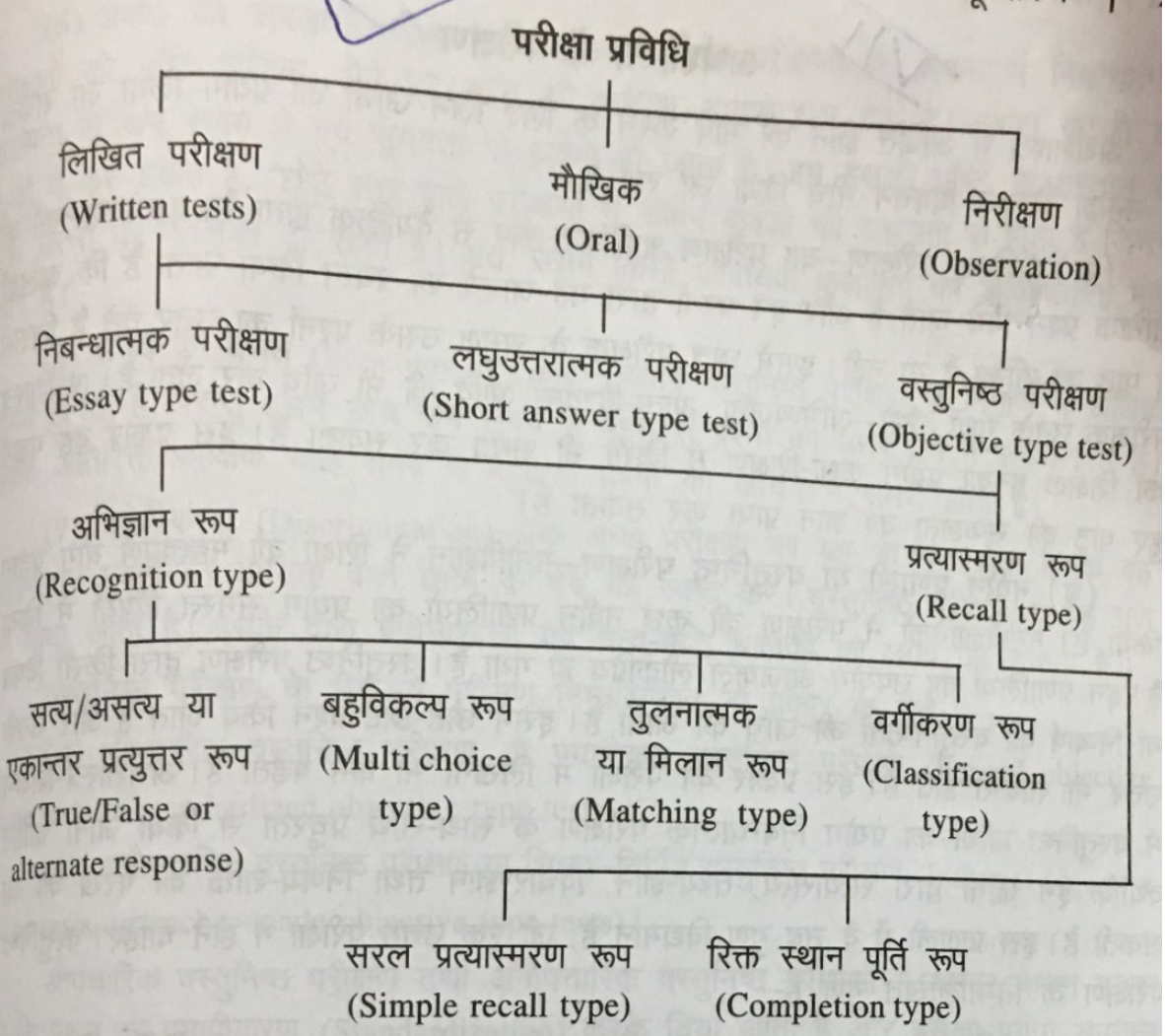

उपर्युक्त मूल्यांकन-प्रविधियों को निम्नांकित चार्ट द्वारा संक्षेप में प्रस्तुत किया जा सकता है–

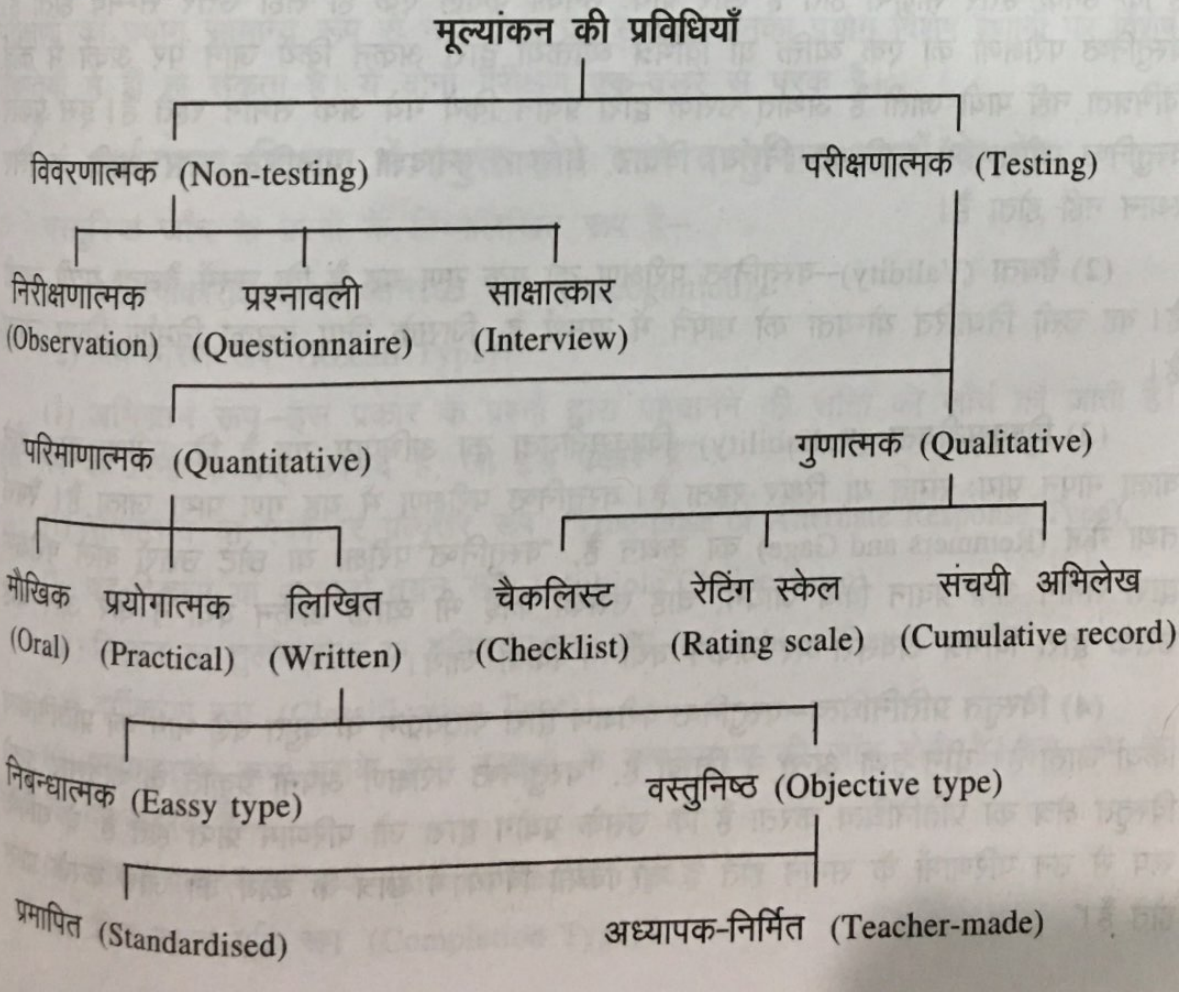

Scanned with CamScanner